आर्थिक संभावनाएं 2012-13 की प्रमुख बातें

प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद् के अध्यक्ष डा. सी. रंगराजन ने आज नई दिल्ली में एक संवाददाता सम्मेलन "आर्थिक संभावनाएं 2012-13" दस्तावेज जारी किया। इसकी प्रमुख बातें इस प्रकार है:-

- **2012-13 में अर्थव्यवस्था में 6.7 प्रतिशत की दर से वृद्धि।**
-
    - **कृषि क्षेत्र** में कमजोर मानसून के असर और वर्तमान भंडारण की स्थिति के कारण 2012-13 में सकल घरे उत्पाद में 0.5 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान लगाया गया।
    - **उत्पादन क्षेत्र** में 4.5 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान लगाया गया। विद्युत, मोटर वाहन, इस्पात और सीमेंट क्षे में अप्रैल-जून अवधि में सुधार देखने को मिला। कम आधार के लाभों के कारण, इस वर्ष की दूसरी छमाई निर्माण क्षेत्र में सुधार देखने को मिलेगा।
    - **खनन क्षेत्र** में कोयला और लिग्नाइट क्षेत्र में वृद्धि और लौह अयस्क में कुछ सुधार के कारण वर्ष के दौरान 4. प्रतिशत की वृद्धि की आशा है।
    - **बिजली उत्पादन** करीब 8 प्रतिशत की औसत दर से लगातार बढ़ने की आशा है।
    - **निर्माण कार्यों** में पिछले वर्ष की तुलना में कुछ सुधार होने की संभावना है जैसा कि हाल ही में इस्पात औ सीमेंट के उत्पादन में बढ़ोतरी को सबूत के तौर पर देखा जा सकता है।
    - **सेवा क्षेत्र** में, खासतौर से परिवहन, व्यापार और संचार क्षेत्र में कुछ सुधार होने की संभावना है।

- **वैश्विक स्थिति:** आधुनिक अर्थव्यवस्थाओं, खासतौर से यूरोप में निराशाजनक स्थिति व्याप्त है। अमेरीका और यूरोपी यूनियन में विकास दर धीमी होने के कारण जिंसों और सेवाओं दोनों में, भारत के निर्यात के लिए इनके बाजारों के विस्ता पर प्रतिकूल असर पडा है।

- **ढांचागत कारक:**

    - जीडीपी के अनुपात में सकल घरेलू निर्दिष्ट पूंजी निर्माण 2007-08 के 32.9 प्रतिशत के अधिकतम स्तर से गिरक 2010-11 में 30.4 प्रतिशत और 2011-12 में 29.5 प्रतिशत पर आ गया। 2012-13 में 30.0 प्रतिशत का अनुमा लगाया गया।
    - घरेलू बचत दर 2010-11 में 32.0 प्रतिशत से गिरकर 2011-12 में 30.4 प्रतिशत पर आ गई । 2012-13 में 31. प्रतिशत का अनुमान लगाया गया।

- **विदेशी क्षेत्र**
    - **चालू खाता घाटा** 2011-12 में 78.2 अरब डॉलर (जीडीपी का 4.2 प्रतिशत) था और 2012-13 में 67.1 अरब डॉल (जीडीपी का 3.6 प्रतिशत) का अनुमान लगाया गया।
    - **वाणिज्यिक** घाटा 2011-12 में 189.8 अरब डॉलर (जीडीपी का 10.2 प्रतिशत) था और 2012-13 में 181.1 अर डॉलर (जीडीपी का 9.7 प्रतिशत) होने का अनुमान लगाया गया।
    - **कुल** मिलाकर सेवाओं पर निवल संतुलन 2011-12 में 111.6 अरब डॉलर (जीडीपी का 6.0 प्रतिशत) था। इस 2012-13 में 114 अरब डॉलर (जीडीपी का 6.1 प्रतिशत) होने का अनुमान लगाया गया।

    - **पूंजी प्रवाह** 2011-12 में 67.8 अरब डॉलर (जीडीपी का 3.7 प्रतिशत) था और 2012-13 में 73.2 अरब डॉलर (जीडीप का 3.9 प्रतिशत) होने का अनुमान लगाया गया। यह वर्ष के लिए प्रस्तावित 67 अरब डॉलर के सीएडी के लिए पर्याप है।
    - **2012-13 में** आरक्षित निधि में 4 अरब डॉलर की वृद्धि का अनुमान लगाया गया है।

- **मुद्रास्फीति:**
-
    - कमजोर दक्षिणी-पश्चिमी मानसून का खाद्य वस्तुओं की कीमतों पर प्रतिकूल असर पड़ेगा, खासतौर से उन वस्तुओं की कीमतों पर, जहां सरकार के भंडार नियंत्रण की भूमिका निभाते है, जो उपलब्ध नहीं है। 2012-13 की समाप्ति पर मुद्रास्फीति की दर 6.5 से 7.0 प्रतिशत की दायरे में रहने की संभावना है।

- **विस्तारशील वित्तीय असंतुलन नीतिगत क्षेत्र में चिंता का प्रमुख विषय:**
    - आरई 2011-12 में केंद्र के लिए वित्तीय घाटा जीडीपी का 5.89 प्रतिशत था और इसके बीई 2012-13 में 5.0 प्रतिशत होने का अनुमान है।
    - केंद्र की आय की तुलना में राज्यों की वित्तीय स्थिति बेहतर है।
    - 2011-12 (आरई) में केंद्र और राज्य सरकारों का कुल वित्तीय घाटा जीडीपी का 8.2 प्रतिशत था। यह घाटा 2012-1 के बजट अनुमानों के आधार पर 7.2 प्रतिशत होने का अनुमान लगाया गया।
    - केंद्र के वित्तीय असंतुलन पर नियंत्रण हमारे सब्सिडी बिल, खासतौर से शोधित पेट्रोलियम उत्पादनों और कर जीडीप अनुपात में वृद्धि पर निर्भर है।
    - जिंसों और सेवाओं (जीएसटी) पर साधारण बिक्री कर लागू करना कर सुधारों के रास्ते में एक बहुत महत्वपूर्ण मील क पत्थर साबित होगा। इसके लिए बातचीत, योजना बनाने और कर प्रचालन के संबंध में सौदेबाजी तथा तैयारी जरू है।

- **कृषि क्षेत्र में सुधार:**
-

    कृषि क्षेत्र में सुधारों में काश्तकारी प्रबंधकों को उदार बनाने पर विशेष ध्यान देने, कृषि उत्पादों के लिए घरेलू बाजारों व सुधार और आगत सब्सिडी में कटौती की जरूरत है।

- **आर्थिक विकास दर में तेजी लाने के उपाय:**
    - <u>गहरा असर डालने वाली बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के बारे में समेकित निर्णय लेना</u>
      5 हजार करोड़ रूपये की न्यूनतम सीमा से अधिक की लागत वाली परियोजनाओं के लिए, सबंद्ध मंत्रालयों के प्रभार मंत्रियों को लेकर बनी मंत्रिमंडलीय समिति को समेकित फैसला करना चाहिए। इस उद्देश्य के लिए बुनियादी ढांचे प मंत्रिमंडलीय समिति को बुनियादी ढांचा निरंतर विकास के लिए मंत्रिमडलीय समिति नाम दिया जा सकता है औ तद्नुसार इसे कारोबार सुधार नियमों के अंतर्गत अधिकार दिये जा सकते है।
    - <u>मल्टीब्रांड रिटेल में एफडीआई की इजाजत</u>
      पूंजी और प्रोद्योगिकी के हस्तांतरण के लिए मल्टीब्रांड रिटेल में 49 प्रतिशत _एफडीआई की इजाजत दी जा सकत है ताकि इस क्षेत्र में निवेश को आकर्षित किया जा सके। इस विचार को ग्रहण करने वाले राज्य इसे लागू कर सक है।
    - <u>नागर विमानन क्षेत्र में एफडीआई और अन्य सुधार</u>
      नागर विमानन में अब विदेशी एयरलाइनों के लिए वर्तमान 49 प्रतिशत तक एफडीआई की इजाजत दी जा सकती है।
    - <u>पेट्रोलियम उत्पादों की सब्सिडी पर नियंत्रण</u>
      वर्तमान वित्त वर्ष के लिए भारी सब्सिडी अनुमानों को देखते हुए (i) डीजल की कीमत में एक या अधिक बार में उचि वृद्धि (ii) और सब्सिडी युक्त रसोई गैस के उपभोग के स्तर की अधिकतम सीमा निश्चित करने को प्राथमिकता दी ज सकती है इस समय गरीब से गरीब घरों में चार सिलेंडरों का इस्तेमाल किया जा रहा है।

हमें निम्नलिखित मुद्दों पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है:

- <u>नीति के संबंध में पूर्वानुमान:</u> कर और अन्य मोर्चों पर स्वेच्छाचारी कार्यों के अनुभवों से उत्पन्न आशंकाओं पर ध्या देना और उन्हें दूर करना जरूरी है।
- <u>भुगतान समाशोधन</u>: बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए लम्बित भुगतानों का समय पर समाशोधन जरूरी है।
- <u>बचत को बढ़ावा:</u> घरेलू बचत दर की गिरावट की प्रवृति को देखते हुए हमें वित्तीय परिणामों को अधिक आकर्षि बनाने की जरूरत है।

- मुद्रास्फीति पर नियंत्रण:

    - निरंतर विकास के लिए मुद्रास्फीति पर नियंत्रण जरूरी है। प्रमुख खाद्य वस्तुओं में अधिक महंगाई पर नियंत्र

करने के लिए कदम उठाना जरूरी है जो विपणन की अप्रचलित प्रणाली से जुड़ा हुआ है और खराब होने वा उत्पादों के लिए आधुनिक हैंडलिंग भंडारण की सुविधाओं का अभाव है।

- **सीएडी में सुधार:**

  - डीजल के मामले में मांग पर नियंत्रण के लिए कीमतों में सुधार किया जा सकता है।
  - सोने के आयात पर नियंत्रण के लिए मुनाफे के साथ-साथ नियामक संबंधी नियमों में सुधार किया जा सकता जिसमें म्युचुअल फंडों और जीवन बीमा उत्पादों को सबसे अधिक महत्व देकर बेचा जा सकता है।
  - सूचना प्रोद्यौगिकी संबंधी निर्यात व्यवसाय को अधिक प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए अनेक मुद्दों पर सरकार के रवै में सुधार की जरूरत है।

तालिका 1

जीडीपी वृद्धि- वास्तविक और प्रस्तावित

2004/05 के स्थिर मूल्यों पर

	वार्षिक दरें	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10	2010-11	2011-12	2012-13
						पी	*क्यूई*	*सं*	*प्रस्तावित*
1	कृषि और संबंधित गतिविधियां	5.1	4.2	5.8	0.1	1.0	7.0	2.8	0.5
2	खनन और उत्खनन	1.3	7.5	3.7	2.1	6.3	5.0	-0.9	4.4
3	निर्माण	10.1	14.3	10.3	4.3	9.7	7.6	2.5	4.5
4	विद्युत, गैस और जल आपूर्ति	7.1	9.3	8.3	4.6	6.3	3.0	7.9	8.0
5	निर्माण कार्य	12.8	10.3	10.8	5.3	7.0	8.0	5.3	6.5
6	व्यापार, होटल, परिवहन, भंडारण और संचार	12.0	11.6	10.9	7.5	10.3	11.1	9.9	9.3
7	वित्त बीमा, सम्पति और व्यवसाय सेवा	12.6	14.0	12.0	12.0	9.4	10.4	9.6	9.5
8	समुदाय और निजी सेवाएं	7.1	2.8	6.9	12.5	12.0	4.5	5.8	7.0
9	सकल घरेलू उत्पाद (कारक लागत)	**9.5**	**9.6**	**9.3**	**6.7**	**8.4**	**8.4**	**6.5**	**6.7**
10	उद्योग (2+3+4+5)	9.7	12.2	9.7	4.4	8.4	7.2	3.4	5.3
11	सेवाएं (6+7+8)	10.9	10.1	10.3	10.0	10.5	9.3	8.9	8.9
12	गैर-कृषि (9–1)	10.5	10.8	10.1	8.1	9.8	8.6	7.1	7.7
14	**जीडीपी** (कारक लागत) प्रति व्यक्ति	**7.8**	**8.0**	**7.8**	**5.2**	**6.9**	**6.9**	**5.1**	**5.3**
15	कारक लागत पर जीडीपी - 2004/05 लाख करोड़ रूपये में मूल्य (या खरब)	32.5	35.6	39.0	41.6	45.1	48.9	52.0	55.5
16	जीडीपी बाजार और लाख करोड़ रूपये में वर्तमान मूल्य (या खरब)	36.9	42.9	49.9	56.3	64.6	76.7	88.6	100.8
17	बाजार में जीडीपी और अरब अमेरीकी डॉलर में मूल्य	834	949	1,241	1,234	1,365	1,687	1,853	1,868
18	आबादी लाख में	1,106	1,122	1,138	1,154	1,170	1,186	1,202	1,218
19	वर्तमान मूल्यों पर प्रति व्यक्ति बाजार मूल्यों पर जीडीपी	33,394	38,277	43,823	48,787	55,191	64,706	73,676	82,727
20	अमेरीकी डॉलर में प्रति व्यक्ति बाजार मूल्य पर जीडीपी	754	846	1,090	1,069	1,167	1,422	1,541	1,534

तालिका 2

भुगतान संतुलन

इकाई: अरब अमेरीकी डॉल

	2004/05	2005/06	2006/07	2007/08	2008/09	2009/10	2010/11	2011/12	2012/13
वाणिज्य वस्तु निर्यात	85.2	105.2	128.9	166.2	189	182.4	250.5	309.8	333.8
वाणिज्य वसतु आयात	118.9	157.1	190.7	257.6	308.5	300.6	381.1	499.5	515.0
वाणिज्य वस्तु व्यापार संतुलन	–33.7 *–4.7%*	–51.9 *–6.2%*	–61.8 *–6.5%*	–91.5 *–7.4%*	–119.5 *–9.8%*	–118.2 *–8.5%*	–130.6 *–7.5%*	–189.8 *–10.2%*	–181.1 *–9.7%*
निवल सेवाएं	31.2 *4.3%*	42 *5.0%*	52.2 *5.5%*	75.7 *6.1%*	91.6 *7.5%*	79.7 *5.8%*	84.6 *4.9%*	111.6 *6.0%*	114.0 *6.1%*
सोफ्टवेयर और बीपीओ	14.7	23.8	27.7	37.2	47.0	41.5	49.6	60.1	64.0
भेजी गई निजी रकम	20.5	24.5	29.8	41.7	44.6	53.5	53.1	63.5	66.0
निवेश आय	–4.1	–4.1	–6.8	–4.4	–6.6	–5.5	–16.4	–16.5	–20.0
वर्तमान लेखा संतुलन	**–2.5** *–0.3%*	**–9.9** *–1.2%*	**–9.6** *–1.0%*	**–15.7** *–1.3%*	**–27.9** *–2.3%*	**–38.5** *–2.8%*	**–45.9** *–2.7%*	**–78.2** *–4.2%*	**–67.1** *–3.6%*
विदेशी निवेश	13.0	15.5	14.8	45.0	3.5	51.2	38.0	39.2	38.2
ओ/डब्ल्यू एफडीआई (निवल)	3.7	3.0	7.7	15.4	17.5	18.8	7.7	22.1	24.0
अंतर्गामी एफडीआई	6.0	8.9	22.7	34.2	35.0	33.1	24.0	33.0	37.0
बाहर जाने वाली एफडीआई	2.3	5.9	15.0	18.8	17.5	14.4	16.3	10.9	13.0
निवेश पूंजी	9.3	12.5	7.1	29.6	–14.0	32.4	30.3	17.2	14.2
ऋण	10.9	7.9	24.5	41.9	4.1	14.3	27.9	19.3	21.0
बैंकिंग पूंजी	3.9	1.4	1.9	11.8	–3.2	1.5	5.0	16.0	20.0
अन्य पूंजी	0.7	1.2	4.2	9.5	4.5	–13.0	–10.4	–6.9	–6.0
पूंजी लेखा संतुलन	**28.0** *3.9%*	**25.5** *3.1%*	**45.2** *4.8%*	**108.0** *8.7%*	**8.7** *0.7%*	**53.4** *3.9%*	**60.0** *3.5%*	**67.8** *3.7%*	**73.2** *3.9%*
त्रुटियां और चूक	0.6	–0.5	1.0	1.2	1.1	–1.6	–2.6	–2.4	–2.0
आरक्षित निधि में अभिवृद्धि	**26.2**	**15.1**	**36.6**	**92.2**	**–18.1**	**13.3**	**11.5**	**–12.8**	**4.0**

नोट: प्रतिशत जीडीपी के संदर्भ में हैं।